



प्रीलमिस फैक्ट्स : 2 फरवरी, 2018

अश्काबाद समझौता

भारत को अश्काबाद समझौते में जगह हासिल करने में कामयाबी मिल गई है। व्यापार एवं निवेश में तेज़ी लाने के मकसद से मध्य एशिया को फारस की खाड़ी से जोड़ने वाले एक अंतरराष्ट्रीय परिवहन और ट्रांजिट गलियारे के निर्माण की खातिर यह समझौता हुआ था।

प्रमुख बंदि

- वदिश मंत्रालय द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार, 'अश्काबाद समझौते में प्रमुख राष्ट्र (डिपोजिटरी स्टेट) के रूप में तुर्कमेनिस्तान द्वारा भारत को सूचित किया गया कि चारों संस्थापक सदस्यों ने (समझौते में) भारत को शामिल करने पर अपनी सहमति दे दी है।
- तुर्कमेनिस्तान के अलावा, इस समझौते के अन्य संस्थापक देशों में ईरान, ओमान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं और इन देशों ने 25 अप्रैल, 2011 को समझौते पर दस्तखत किया था।
- समझौते में शामिल होने से मध्य एशिया के साथ भारत के जुड़ाव के विकल्पों में विविधता आएगी और इस क्षेत्र से भारत के व्यापार एवं वाणिज्यिक संबंधों पर सकारात्मक प्रभाव होगा। इस समझौते में भारत का प्रवेश तीन फरवरी से प्रभावी होगा।

क्या है अश्काबाद समझौता?

- अश्काबाद समझौता मध्य एशिया एवं फारस की खाड़ी के बीच वस्तुओं की आवा-जाही को सुगम बनाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय परिवहन एवं पारगमन गलियारा है।
- अश्काबाद समझौते के संस्थापक सदस्यों में ओमान, ईरान, तुर्कमेनिस्तान एवं उज्बेकिस्तान शामिल हैं। इसके बाद इस समझौते से कज़ाखस्तान, पाकिस्तान भी जुड़ गए थे।
- इस समझौते में सम्मिलित होने से भारत को यूरेशिया क्षेत्र के साथ व्यापार एवं व्यावसायिक मेल-जोल को बढ़ाने में मौजूदा परिवहन एवं पारगमन गलियारे का उपयोग करने में मदद मिलेगी।
- यह संपर्क बढ़ाने के लिये अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे को क्रियान्वित करने के भारत के प्रयासों को समन्वित करेगा।

तटरक्षक के लिये छठी इंटरसेप्टर नौका

तटरक्षक के लिये निर्मित एक इंटरसेप्टर नौका को भारती डेफेंस एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (Bharati Defence And Infrastructure Limited) द्वारा पेश किया गया है। 'वी 410 नौका' 15 इंटरसेप्टरों की श्रृंखला की छठी नौका है, जिसके लिये कंपनी को एक अनुबंध दिया गया था।

प्रमुख बंदि

- तटरक्षक की एक विज्ञापन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नौका का बाद में तटरक्षक के कोर्चा से लगे जल क्षेत्र में जलावतरण किया जाएगा।
- गौरतलब है कि 'वी 409 नौका' नवंबर में पेश की गई थी। यहाँ पनमभूर स्थिति शिपियार्ड में बीडीआईएल द्वारा पेश की गई यह ऐसी दूसरी इंटरसेप्टर नौका है।
- समुद्री बल के लिये तीन और इंटरसेप्टर नौकाएँ जल्द ही पेश की जाएंगी।

गोबर-धन योजना

- खुले में शौच से गाँवों को मुक्त करने तथा ग्रामीणों के जीवन को बेहतर बनाने के लिये बजट 2018-19 में गोबर-धन योजना (Galvanizing Organic Bio-Agro Resources Dhan - GOBAR-DHAN) को प्रारम्भ करने की घोषणा की गई है।
- इस योजना के अंतर्गत पशुओं के गोबर और खेतों के ठोस अपशिष्ट पदार्थों को कम्पोस्ट, बायोगैस, बायो सीएनजी में परिवर्तित किया जाएगा।
- समावेशी समाज निर्माण के विज्ञान के तहत सरकार ने विकास के लिये 115 आकांक्षायुक्त ज़िलों की पहचान की है। ये 115 ज़िले विकास के मॉडल साबित होंगे।
- इन ज़िलों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, संचाई, ग्रामीण विद्युतीकरण, पेयजल, शौचालय तक पहुँच आदि में निवेश करके तीव्र गति से विकास को बढ़ावा दिया जाएगा।

वर्शिव नविश रडिर्त

अंकटाड (United Nations Conference on Trade and Development-UNCTAD) द्वारा 'वर्शिव नविश रडिर्त' (World Investment Report - WIR) जारी की जाती है ।

मुख्य थीम

- वर्शिव नविश रडिर्त के इस संस्करण का केंद्रीय वषिय "नविश और डजिटल अर्थव्यवस्था" (Investment and The Digital Economy) है ।

रडिर्त में शामिल मुद्दे

वर्शिव नविश रडिर्त के प्रत्येक संस्करण में नमिनलखिति मुद्दों को शामिल किया जाता है-

1. वकिस नहितारथ पर वशेष बल देने के साथ गत वर्ष में 'प्रत्यक्ष वदिशी नविश' (FDI) के रुझानों का वशिलेषण ।
2. वर्शिव के सबसे बड़े बहुराष्ट्रीय नगिनों की रैकगि ।
3. प्रत्यक्ष वदिशी नविश से संबंघति एक चयनति वषिय का गहराई से वशिलेषण ।
4. नीता वशिलेषण तथा इस संबंघ में सफिराशें ।

प्रमुख बदि

- वर्शिव नविश रडिर्त, 2017 के अनुसार, वर्ष 2015 के 1.76 ट्रिलियन डॉलर की तुलना में वर्ष 2016 में कुल वैश्वकि प्रत्यक्ष वदिशी नविश का अंतरप्रवाह 2 प्रतशित घटकर 1.75 ट्रिलियन डॉलर हो गया है ।
- वर्ष 2016 में वकिसशील देशों में एफडीआई का अंतरप्रवाह 14 प्रतशित से घटकर 646 बलियन डॉलर रहा । वर्ष 2016 में वकिसशील एशया का वैश्वकि एफडीआई अंतरप्रवाह 15 प्रतशित घटकर 443 बलियन डॉलर रहा ।
- वर्ष 2016 में वकिसति देशों में वैश्वकि एफडीआई का अंतरप्रवाह 5 प्रतशित बढ़कर 1 ट्रिलियन डॉलर रहा ।
- इस रडिर्त के अनुसार, वर्ष 2016 में संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और भारत प्रत्यक्ष वदिशी नविश के पसंसीदा गंतव्य रहे ।
- वर्शिव नविश रडिर्त, 2017 के अनुसार, प्रत्यक्ष वदिशी नविश अंतरप्रवाह वाली 5 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में संयुक्त राज्य अमेरिका (प्रथम स्थान), यूनाइटेड कगिडम (द्वितीय स्थान), चीन (तृतीय स्थान), हॉन्गकॉन्ग चीन (चौथा स्थान) तथा नीदरलैंड्स (पाँचवा स्थान) को शामिल किया गया है ।
- रडिर्त के अनुसार, भारत 44 बलियन डॉलर के प्रत्यक्ष वदिशी नविश अंतरप्रवाह के साथ वर्शिव की 9 वीं अर्थव्यवस्था रहा है ।
- जज्ञातव्य है क वर्शिव नविश रडिर्त का प्रकाशन अंकटाड द्वारा वर्ष 1991 से प्रत्येक वर्ष किया जा रहा है । इस क्रम में वर्ष 2017 की वर्शिव नविश रडिर्त इसका 27वाँ संस्करण है ।